डिजिटल कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट

राखाराम (स.अ.)
प्रा.वि., बकौली पुरवा
गोण्डा

डिजिटल कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट संचालित करने का कारण–

विद्यालय में नामांकन और उसके सापेक्ष ठहराव कुछ विद्यालयों की बड़ी समस्या है, जिसके कारण माता–पिता तथा अभिभावकों की शिक्षा के प्रति उदासीनता है। सब चाहते हैं कि हमारा बच्चा पढ़–लिखकर कलेक्टर बने परन्तु पढ़ने–लिखने को लेकर क्या–क्या करना है, इस बात पर कम ध्यान देते हैं। इसके इतर अभिभावक अपनी दैनिक गतिविधियों से जूझते रहते हैं तथा बच्चों को भी उसमें शामिल रखते हैं। इस कारण बच्चे नियमित रूप से विद्यालय नहीं आते हैं। परिणामस्वरूप बच्चों में सीखने के प्रति रुझान धीरे–धीरे कम होने लगता है और वे ड्रॉपआउट हो जाते हैं।

शिक्षक के रूप में अभिभावकों और बच्चों को जागरूक करने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता अनुभव की गई। जिससे अभिभावकों और बच्चों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण बदलने तथा ड्रापआउट को रोका जा सके। इसी जनजागरूकता अभियान को वास्तविक रूप में विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बनाने के उद्देश्य से "डिजिटल कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट" को संचालित किया जाता है।

क्रियान्वयन – डिजिटल कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट का संचालन विद्यालय समय के इतर अभिभावकों के सहयोग से गाँव के मध्य सप्ताह में एक बार, शाम 6 बजे से 8 बजे तक किया जाता है। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर, साउंड व अन्य हार्डवेयर

की सहायता से सफेद दीवार या पर्दे पर पाठ्यक्रम आधारित पाठ्य सहगामी विषयवस्तु तथा जागरूकता आधारित वीडियो दिखाकर अभिभावकों और बच्चों से संवाद किया जाता है। इस वीडियो में विभिन्न शैक्षिक ई–कंटेंट प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है, जैसे– यू.पी. ओईआर (ओपेन ऐजूकेशनल रिर्सोसेस) दीक्षा, यू–टयूब चैनल आदि। यह पूर्णतयः डिजिटल है, जिसमें कलम और कॉपी लाने की आवश्यकता नहीं है।

प्रभाव – नियमित रूप से विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों, ऑडियो, वीडियो को प्रोजेक्टर के माध्यम से समुदाय के साथ संप्रेषित करने का बेहतर परिणाम प्राप्त हुआ। शिक्षक, विद्यार्थी और समुदाय के मध्य संवाद से विश्वास और अपनत्व स्थापित हुआ जिसके कारण अभिभावकों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण बदला। परिणामरूवरूप अभिभावक न केवल अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने लगे हैं, अपितु विद्यालय के नामांकन में वृद्धि भी हुई है।

डिजिटल कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट जन जागरूकता अभियान के माध्यम से नामांकन दर में वृद्धि का प्रभाव।

पूर्व में अन्य विद्यालयों में किये गये नवाचार का प्रभाव

प्राथमिक विद्यालय पकवान गाँव

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	कुल नामांकन
1	2014-15	144
2	2015-16	168
3	2016-17	217
4	2017-18	244
5	2018-19	280

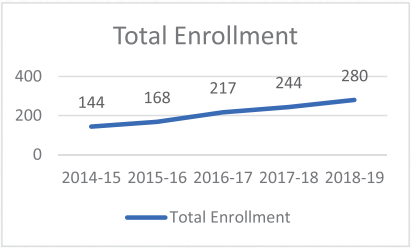

प्राथमिक विद्यालय बकौली पुरवा

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	कुल नामांकन
1	2018-19	94
2	2019-20	104
3	2020-21	116
4	2021-22	124
5	2022-23	130

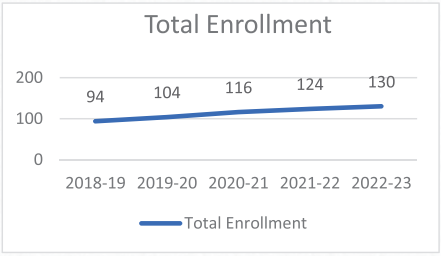

निजी स्कूल से नाम कटवाकर सरकारी में करा रहे दाखिला

ससु, गोंडा : पहले जिन सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने में अभिभावक कमतर मानते थे। अब उन्हीं में नामांकन की होड़ मची है। कर्नलगंज का प्राथमिक विद्यालय धौरहरा हो या फिर बेलसर का बकौलीपुरवा। यहां निजी स्कूलों से नाम कटवाकर बच्चों ने दाखिला लिया है।

इसी तरह से पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाबा मेठिया व कुरसहा में भी निजी स्कूलों के छात्रों ने एडमिशन कराया

है। इन स्कूलों में प्रयोगशाला है, स्मार्ट क्लास में पढ़ाई होती है। प्राथमिक विद्यालय बकौलीपुरवा पुरवा में रेशमा, करिश्मा का एडमिशन हुआ है। पहले ये बेटियां निजी स्कूल में पढ़ रही थीं। जिनका दाखिला प्राइमरी स्कूल में कराया गया है। कक्षा चार व पांच में पढ़ रही हैं। इसी तरह से आशीष भारती का एडमिशन पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाबा मठिया में कराया गया है। पिता हृदयराम भारती ने गांव के सरकारी स्कूल में अच्छी पढ़ाई होते देखकर बेटे का एडमिशन यहां कराया है। यहां विज्ञान प्रयोगशाला व स्मार्ट क्लास में पढ़ाई होती है। उच्च प्राथमिक विद्यालय कुरसहा में अभिषेक तिवारी का दाखिला हुआ है। पिता रामदत्त तिवारी ने भी बेटे का नाम निजी स्कूल से कटवा कर सरकारी स्कूल में कराया है। कहा कि विद्यालय में अच्छी पढ़ाई हो रही है। बच्चों को पढ़ाने के साथ साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दिया जाता है। इसलिए बेटे का नाम सरकारी स्कूल में लिखवाया है।

बीएसए डॉ. इंद्रजीत प्रजापति ने बताया कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर बेहतर हुआ है। अभिभावक परिषदीय स्कूलों में बच्चों का एडमिशन कराना पसंद करते हैं।

नामांकन के सापेक्ष ठहराव की स्थिति– 2024

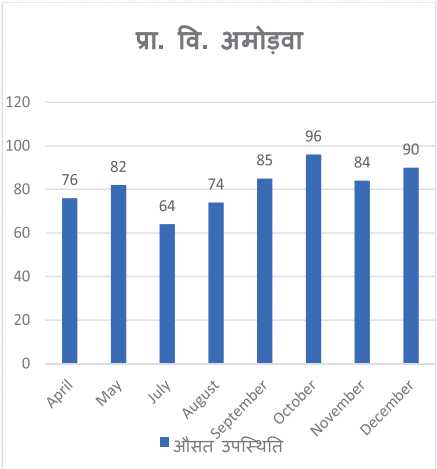

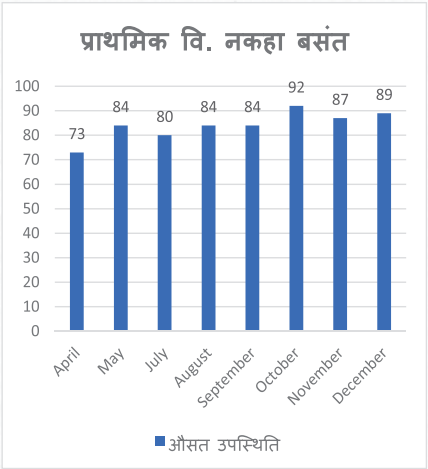

विकासखण्ड– हलधरमऊ गोण्डा में संचालित "कम्युनिटी लर्निंग पॉइंट" का प्रभाव (नामांकन के सापेक्ष ठहराव की स्थिति)

प्रमुख Measurable बिन्दु	माह	प्रा. वि .अमोड़वा		प्राथमिक वि. नकहाबसंत	
		पूर्व अप्रैल 2024-	पश्चात दिसम्बर 2024-	पूर्व अप्रैल 2024-	पश्चात दिसम्बर 2024-
छात्र/छात्रा का नामांकन(%)		128	152	93	112
छात्रछात्रा/ का उपस्थिति (%)		माहवार औसत उपस्थिति	सितम्बर माह में कुल उपस्थिति के 152 सापेक्ष प्रतिशतता	माहवार औसत उपस्थिति	सितम्बर माह में कुल उपस्थिति के 112 सापेक्ष प्रतिशतता
	अप्रैल	116	76	82	73
	मई	124	82	94	84
	जुलाई	97	64	89	80
	अगस्त	112	74	94	84
	सितम्बर	130	85	94	84
	अक्टूबर	146	96	103	92
	नवम्बर	128	84	98	87
	दिसंबर	137	90	100	89
लर्निंग आउट कम में सुधार NIPUN) Student/ (School	कक्षा - 1 के शत-प्रतिशत बच्चें निपुण है। कक्षा - 2 के शत-प्रतिशत बच्चे निपुण है।			कक्षा - 1 के 90 प्रतिशत बच्चे निपुण है। कक्षा - 2 के 85 प्रतिशत बच्चे निपुण है।	
विशिष्ट उपलब्धि	निपुण विद्यालय			निपुण विद्यालय	